भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A. 2 years)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-JYV 25	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(EESC) हस्तरेखा विज्ञान	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) {Core Course/ VAC(EESC)}	विषय VAC (EESC)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से द्विवार्षिक स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. हस्तरेखाविज्ञान से परिचित हो सकेंगे। 2. भारतीय हस्तसामुद्रिक की प्राचीनता का बोध होगा। 3. पाश्चात्य हस्तरेखा विज्ञान के भारतीय मूल का ज्ञान होगा। 4. हस्तरेखाविद् के रूप में स्वरोजगार में सहायक। 5. हस्तरेखा परामर्श केन्द्र का सञ्चालन कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	2	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह एक कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 1

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- तीस घण्टे (30 hours)

L-T-P: 1-0-0

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**हस्तसामुद्रिक परिचय एवम् इतिहास** सामुद्रिकशास्त्र का उद्भव एवं विकास, हस्तसामुद्रिक के प्राचीन प्रमाण, हस्तसामुद्रिक का महत्त्व, हस्तरेखा विज्ञान के प्राचीन ग्रन्थ एवम् आचार्य (हस्तसञ्जीवन, करलक्खण), पाश्चात्य हस्तरेखाविज्ञान के आचार्य (कीरो, बेन्हम, सेन्ट जर्मन), पाश्चात्य हस्तरेखा विज्ञान की भारतीयमूलकता **गतिविधियाँ** हस्तरेखा विज्ञान के ग्रन्थ विषय पर निबन्धलेखन पाश्चात्य हस्तरेखा विज्ञान की भारतीयमूलकता विषय पर भाषण	06
2	**हस्तपरिचय** (1) हस्त-स्वरूप एवं प्रकार (2) मणिबन्ध (3) अङ्गुष्ठ (4) अङ्गुलियाँ एवम् उनका स्वरूप (5) अङ्गुलियों के चिह्न एवं उनका फलकथन (6) नाखूनों का स्वरूप, प्रकार एवम् उनका फलकथन (7) करपृष्ठ स्वरूप (8) हस्तचिह्न एवम् उनका फलकथन। **गतिविधियाँ** हस्तप्रकारों का सचित्र निरूपण हस्तचिह्नों पर आरेखनिर्माण	06
3	**ग्रहक्षेत्र (हस्त में ग्रहों का स्थान निर्धारण)** (1) सूर्य का क्षेत्र (2) चन्द्र का क्षेत्र (3) मङ्गल का क्षेत्र (4) बुध का क्षेत्र (5) गुरु का क्षेत्र (6) शुक्र का क्षेत्र (7) शनि का क्षेत्र (8) राहु-केतु का क्षेत्र **गतिविधियाँ** किसी एक ग्रहक्षेत्र का विश्लेषण ग्रहक्षेत्रों का सचित्र प्रदर्शन	06

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

4	**हस्त की प्रमुख रेखाएँ एवम् उनका फलविमर्श** (1) मणिबन्धरेखा (2) जीवनरेखा (3) मस्तिष्करेखा (4) हृदयरेखा (5) भाग्यरेखा (6) सूर्यरेखा (7) स्वास्थ्यरेखा (8) विवाहरेखा (9) सन्तानरेखा (10) भ्रातृरेखा **गतिविधियाँ** रेखाओं का सचित्र निरूपण रेखाओं के भारतीय एवम् आधुनिक नामों का सूचीकरण	06
5	**हस्तरेखा-फलविचार** हस्तरेखादर्शन के नियम हस्तरेखा द्वारा जीवन के घटनाक्रम का समयज्ञान हस्तरेखा द्वारा विशिष्ट योगों का ज्ञान **गतिविधियाँ** हस्तरेखादर्शन विधान विषय पर भाषण कतिपय हस्तरेखायोगों का सचित्र निरूपण	06

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : हस्तरेखा, हस्तसामुद्रिक, हस्तचिह्न

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

(1) हस्तसंजीवन- मेघविजय गणि, टीका- डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2008

(2) सामुद्रिकरहस्य- पं. कालिकाप्रसाद, ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी, 2011

(3) हस्त-रेखा विज्ञान- गोपेशकुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, दिल्ली, 2007

(4) हस्तरेखाएँ बोलती हैं- कीरो, अनुवादक डॉ. गौरीशंकर कपूर, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003

(5) हस्तरेखाओं का गहन अध्ययन- बेन्हम, अनुवादक भोजराज द्विवेदी, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली 2000

(6) सम्पूर्ण हस्तरेखाशास्त्र- सेन्ट जर्मेन, अनुवादक राजीव विश्वकर्मा, मनोज पाकेट बुक्स, दिल्ली

(7) सामुद्रकशास्त्र- पं. शक्तिधर शुक्ल, व्यास प्रकाशन, वाराणसी, 2008

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

(8) बृहद् हस्तरेखा शास्त्र, नारायणदत्त श्रीमाली, पुस्तक महल, दिल्ली 1977

(9) रेखाओं का रहस्यमय संसार- भोजराज द्विवेदी, डायमंड पाकेट बुक्स, दिल्ली, 2011

(10) सामुद्र तिलक, दुर्लभराज, खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 100 Marks

बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समयः** (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C)** : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	100

Any remarks/ suggestions:

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)